



कुंडलीचे प्रमुख चिन्हे.

राशि	राशि-स्वामी	तत्व	स्वभाव	ग्रहांचे गुणधर्म
मेष	♂ मंगळ	अग्नि	चर	आडवा वक्री
वृषभ	♀ शुक्र	पृथ्वी	स्थिर	रेषांतिल शत्रु-घर
मिथुन	♃ बुध	वायु	द्विस्वभाव	ठळक मित्र-घर
कर्क	☾ चंद्र	जल	चर	☼* अस्त
सिंह	☉ रवि	अग्नि	स्थिर	↑ उच्च
कन्या	♃ बुध	पृथ्वी	द्विस्वभाव	↓ नीच
तुळ	♀ शुक्र	वायु	चर	
वृश्चिक	♂ मंगळ	जल	स्थिर	+ मित्र
धनु	♃ गुरु	अग्नि	द्विस्वभाव	- शत्रु
मकर	♃ शनि	पृथ्वी	चर	* सम
कुंभ	♃ शनि	वायु	स्थिर	++ अधिमित्र
मीन	♃ गुरु	जल	द्विस्वभाव	-- अधिशत्रु

विंशोत्तरी, अष्टोत्तरी दशां मध्ये दिनांक दशाची समाप्ति दिनांक आहे.

*While all precautions have been taken for the accuracy of the complex calculations, the maker of these horoscopes makes no warranties, either expressed or implied.*

Horoscope Print Date : 20/06/2017 20:39  
 Calculation mode of Rahu : Mean Rahu  
 Rasi-Lord symbol in charts : On  
 Print Double dates : Yes  
 Print Mangal Dosh : No  
 Print Ardh Kaal Sarp : No  
 Print Mandi in Chart : No  
 Print Fortuna in Chart : No  
 Special Effects : On  
 Ayanamsa selected : CP  
 Pagesize in Printer driver : A4



### Madhura

लिंग -----: स्त्री	अयनांश -----: 23:52:34
जन्म दिनांक -----: 17/09/2001	सी.पी. / के.पी. -----: CP
जन्म दिवस -----: सोमवार	सूर्योदय -----: 06:28:39
जन्म वेळ -----: 09:30:00 am	सूर्यास्त -----: 18:39:34
इष्टकाल (घटी) -----: 07:33:21	दिन मान -----: 12:10:54
स्थान -----: Mumbai	Module-----: GURUJI
देश -----: India	चंद्र राशी (पाया) -----: सिंह ( सोन )
अक्षांश -----: 018:57:N	राशी अक्षर -----: म ट
रेखांश -----: 072:49:E	सूर्य राशी(पाश्चात्य) -----: कन्या
मध्य रेखांश -----: +05:30	तिथी -----: कृष्ण - 15
युद्ध / ग्रीष्म वेळ -----: 00 / 00	नक्षत्र -----: पूर्वा-फा. (4)
स्थानिक वेळ संस्कार -----: -0:38:44	नक्षत्र अक्षर -----: टू
स्थानिक वेळ -----: 08:51:16	नक्षत्र पाया -----: चांदी
सांपत्तिक काल -----: 08:35:56	योग -----: शुभ
अयन -----: दक्षिण	करण -----: नाग
गोल -----: उत्तर	शक सवंत् -----: 1923
ऋतु -----: शरद	हिन्दु महिना (का.) -----: 2057 - भाद्रपद
विंशोत्तरी भोग्यदशा -----: शुक्र : 00-00-20	हिन्दु महिना (चै) -----: 2058 - अधिक - अश्विन
अष्टोत्तरी भोग्यदशा -----: चंद्र : 05-00-05	

*While all precautions have been taken for the accuracy of the complex calculations, the maker of these horoscopes makes no warranties, either expressed or implied.*

### ॥ Om Shri Ganeshaya Namah ॥



#### **sadguru shakti jotish karyalay** **vedmurti**

Sharad dattatray muley (guruji)  
RO.NO.16 mahadev nivas near shani mandir sarvoday

nagargat no 02 bhandup (w)  
Wab : www.gurujisharad.com  
E-Mail :support@gurujisharad.com  
Mo.9892335365

note krupaya call karun yene avashayk ahe

**Madhura**

**पंचांग ( निरयन )**

वर्ग		आरंभ		अंत	
राशी	कर्क	13/09/2001	14:36	15/09/2001	15:27
	✓ सिंह	<b>15/09/2001</b>	<b>15:27</b>	<b>17/09/2001</b>	<b>14:50</b>
	कन्या	17/09/2001	14:50	19/09/2001	14:53
तिथी	कृष्ण - 14	15/09/2001	23:31	16/09/2001	19:47
	✓ कृष्ण - 15	<b>16/09/2001</b>	<b>19:47</b>	<b>17/09/2001</b>	<b>15:59</b>
	शुक्ल - 1	17/09/2001	15:59	18/09/2001	12:19
नक्षत्र	मघा	15/09/2001	15:27	16/09/2001	12:34
	✓ पूर्वा-फा.	<b>16/09/2001</b>	<b>12:34</b>	<b>17/09/2001</b>	<b>09:34</b>
	उत्तरा-फा.	17/09/2001	09:34	18/09/2001	06:39
योग	साध्य	16/09/2001	08:12	17/09/2001	03:57
	✓ शुभ	<b>17/09/2001</b>	<b>03:57</b>	<b>17/09/2001</b>	<b>23:44</b>
	शुक्ल	17/09/2001	23:44	18/09/2001	19:41
करण	चतुष्पाद	16/09/2001	19:47	17/09/2001	05:51
	✓ नाग	<b>17/09/2001</b>	<b>05:51</b>	<b>17/09/2001</b>	<b>15:59</b>
	किंस्तुघ्न	17/09/2001	15:59	18/09/2001	02:07

अवकहड़ा चक्र	
योग	शुभ
करण	नाग
वर्ण	क्षत्रिय
तत्व	अग्नि
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
योनि	ऊंदीर
गण	मनुष्य
युंजा	मध्य
नाडी	मध्य

घात चक्र	
मास	ज्येष्ठ
तिथी	3-8-13
दिवस	शनिवार
नक्षत्र	मूल
योग	धृति
करण	बव
प्रहर	1
चंद्र	मकर
स्त्रीचंद्र	वृश्चिक

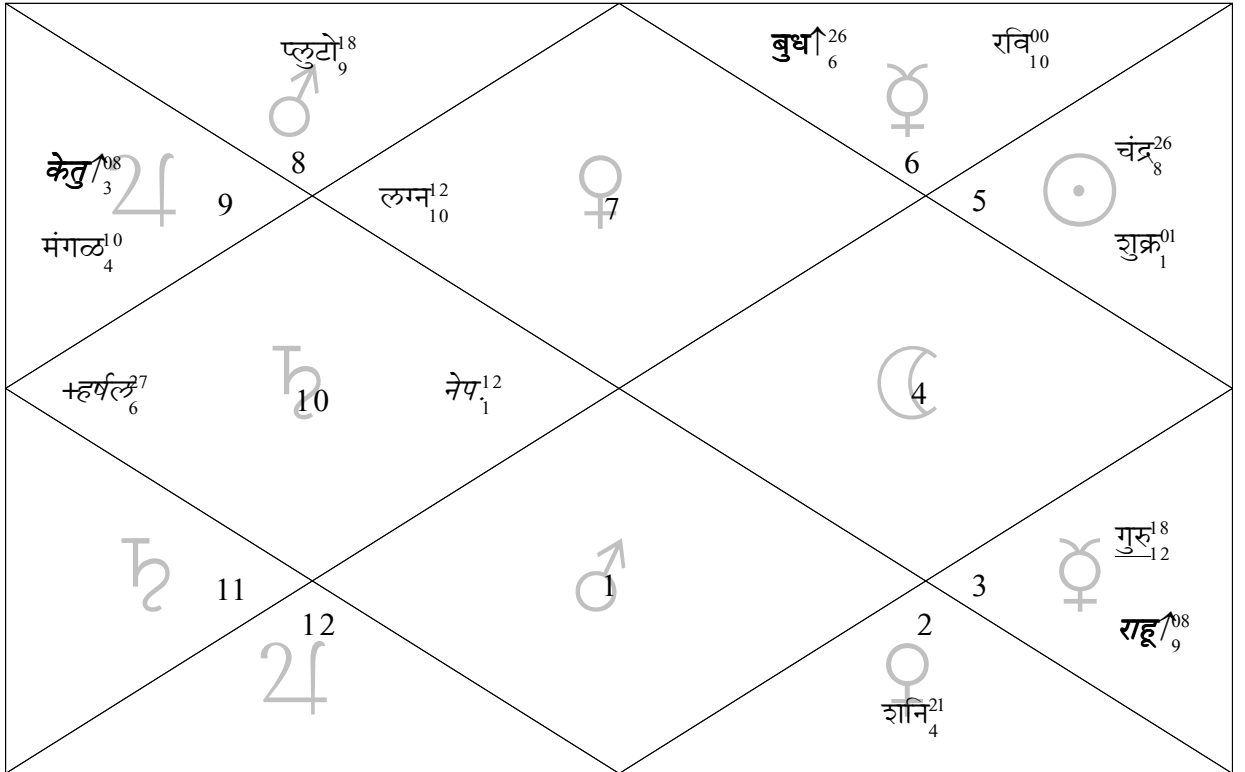
**साढेसाती विचार**

साढेसाती	06/09/2004	-	04/08/2012
लहान पनोती	02/11/2014	-	26/10/2017
लहान पनोती	29/03/2025	-	23/02/2028
साढेसाती	13/07/2034	-	26/09/2041
लहान पनोती	11/12/2043	-	07/12/2046
लहान पनोती	14/05/2054	-	07/04/2057
साढेसाती	24/08/2063	-	04/11/2070
लहान पनोती	05/02/2073	-	11/10/2076

निरयन स्पष्ट ग्रह

ग्रह	राशी अंश	नक्षत्र	रा स्वा	न स्वा	उ स्वा	अवस्था
लग्न	तुळ 12:38:13	स्वाती 2	शुक्र	राहू	बुध	-
रवि	कन्या 00:27:34	उत्तरा-फा. 2	बुध	रवि	राहू	मृत
चंद्र	सिंह 26:37:46	पूर्वा-फा. 4	रवि	शुक्र	केतु	मृत
मंगळ	धनु 10:36:28	मूळ 4	गुरु	केतु	शनि	कुमार
बुध	कन्या 26:49:14	चित्रा 2	बुध	मंगळ	गुरु	बाल
गुरु	मिथुन 18:29:58	आर्द्रा 4	बुध	राहू	चंद्र	वृद्ध
शुक्र	सिंह 01:21:08	मघा 1	रवि	केतु	शुक्र	बाल
शनि	वृषभ 21:00:18	रोहिणी 4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	कुमार
राहू (व)	मिथुन 08:05:19	आर्द्रा 1	बुध	राहू	राहू	कुमार
केतु (व)	धनु 08:05:19	मूळ 3	गुरु	केतु	गुरु	कुमार
हर्षल (व)	मकर 27:46:37	धनिष्ठा 2	शनि	मंगळ	गुरु	बाल
नेप. (व)	मकर 12:22:16	श्रवण 1	शनि	चंद्र	राहू	युवा
प्लुटो	वृश्चिक 18:49:45	ज्येष्ठा 1	मंगळ	बुध	केतु	कुमार
मांदी	मकर 03:47:21	उ.षाढा 3	शनि	रवि	शनि	-
भा.-सहंम	तुळ 08:48:26	स्वाती 1	शुक्र	राहू	गुरु	-

लग्न कुंडली



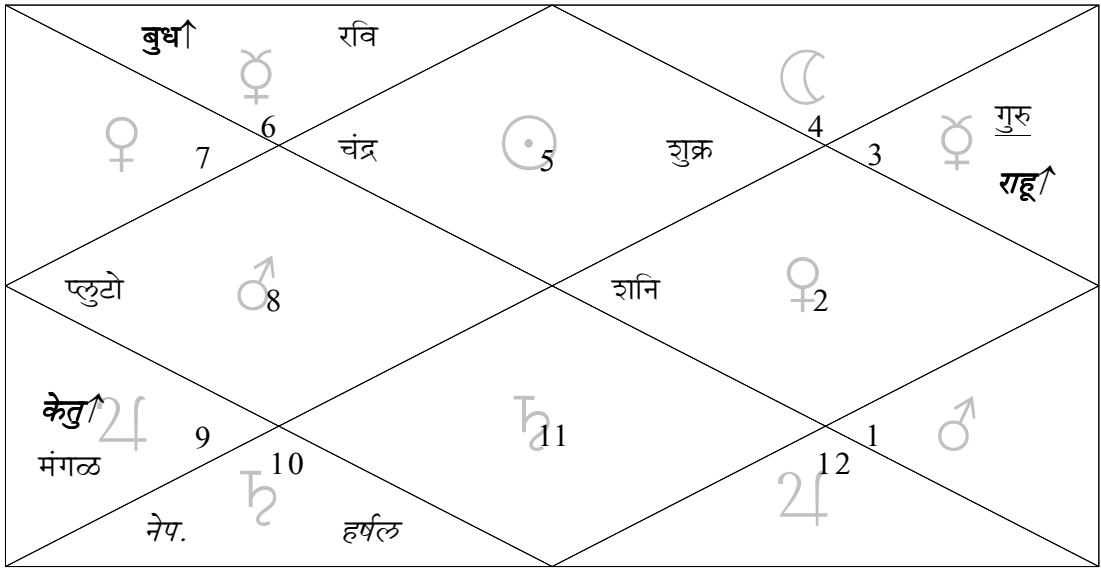
वर्गोत्तम ग्रह : बुध

+ चिन्ह चलित चक्रा मध्ये ग्रहांची स्थिति पूढील भाव दाखविते

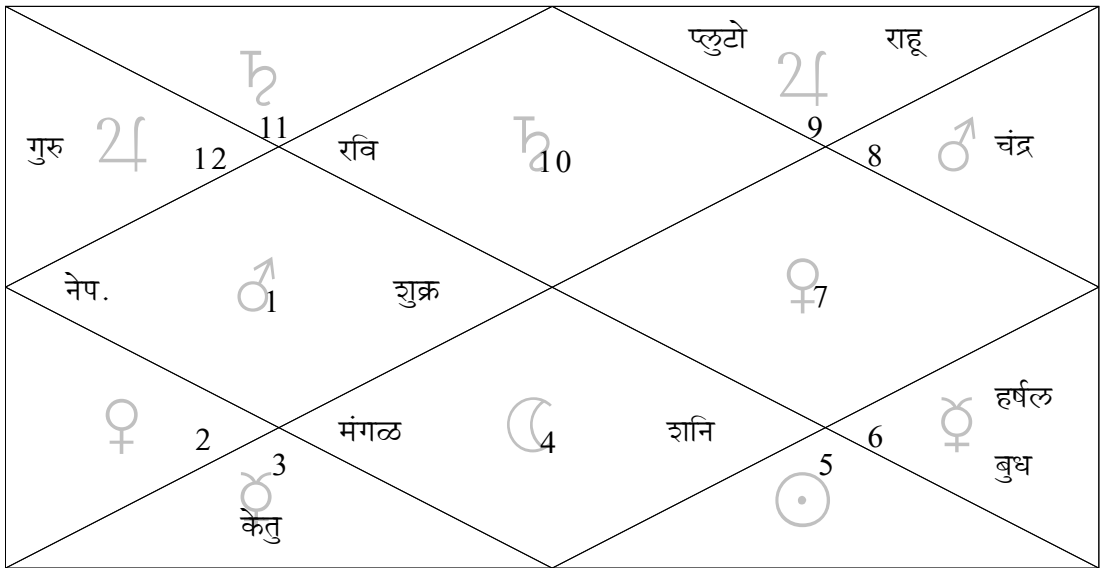
ताराचक्र - नक्षत्र स्वामि

जन्म	संपत	विपत	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	वघ	मैत्री	अधि-मैत्री
पूर्वा-फा.	उत्तरा-फा.	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूळ
पू.षाढा	उ.षाढा	श्रवण	धनिष्ठा	शततारका	पू.भाद्र	उ.भाद्र	रेवती	अश्विनी
भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृग	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेशा	मघा
शुक्र	रवि	चंद्र	मंगळ	राहू	गुरु	शनि	बुध	केतु

चंद्र राशी कुंडली



नवमांश कुंडली



चंद्र >>> मंगळ >>> चंद्र

Madhura

सुदर्शन चक्र  
लग्न कुण्डली  
राशी कुण्डली  
सूर्य कुण्डली

	प्लुटो <sup>18</sup> <sub>9</sub> 8	लग्न <sup>2</sup> <sub>10</sub> 7	बुध <sup>26</sup> <sub>6</sub> रवि <sup>00</sup> <sub>10</sub> 6	
मंगळ <sup>10</sup> <sub>4</sub>	रवि	शुक्र	4	चंद्र <sup>26</sup> <sub>8</sub>
केतु <sup>08</sup> <sub>3</sub>	बुध <sup>1</sup> <sub>8</sub>	चंद्र	5	शुक्र <sup>01</sup> <sub>1</sub>
9	7	रवि	शुक्र चंद्र	5
		बुध <sup>1</sup> <sub>7</sub>	राहू <sup>1</sup> <sub>4</sub> गुरु	
नेप <sup>12</sup> <sub>1</sub> +हर्षल <sup>27</sup> <sub>6</sub>	प्लुटो	केतु <sup>1</sup> <sub>9</sub>	राहू <sup>1</sup> <sub>6</sub>	शनि
10	8	मंगळ	गुरु	4
			शनि	2
	केतु <sup>1</sup> <sub>9</sub> मंगळ		शनि	3
11	9	10	1	गुरु <sup>18</sup> <sub>12</sub>
	नेप.	11	2	राहू <sup>08</sup> <sub>9</sub>
	हर्षल	10	12	3
		11	1	
	12	1	शनि <sup>21</sup> <sub>4</sub>	2

सुदर्शन चक्र क्रमानुसार बाहेरील वृत्ता पासून अन्तर वृत्ता पर्यंत जन्मांग, चंद्र व रवि कुंडली मधील ग्रहांची तुलनात्मक स्थिती आहे. दर्शावित आहे. कोणत्याही भावाचा विचार करण्यासाठी त्या भावाला प्रकट करणाऱ्या तीनी राशीचा विचार करावा.

शुभाशुभ ज्ञान

शुभाशुभ ज्ञान आपणांस आपल्या मित्र व शत्रुविषयी बोध करते मूलांक, भाग्यांक व मित्रांकाद्वारे मैत्री व भागीदारी करण्यात फायदा होईल. त्याच प्रमाणे शुभ दिवस व मित्रराशि लाभदायक असते.

शुभरत्न व धातु तसेच रंग धारण केल्याने शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य लाभते. भाग्य धारण केल्याने भाग्यवृद्धि होते. शुभ वेळी कोणत्याही कार्याचा आरंभ केल्याने अपेक्षित यश लवकर मिळते. शुभ पदार्थ, अन्न, द्रव्य इत्यादि चे दान केल्याने शुभफल मिळते. व्यापार-उद्योग शुभ दिशेला केल्यास त्यात भरभराट होते अपेक्षित लाभ होतो. अशुभ सांगितलेल्या गोष्टी कटाक्षाने टाळाव्यात या प्रमाणे शुभ-अशुभ ज्ञानाचा प्रयोग दैनंदिन जीवनात शुभफलदायी ठरते.

मूलांक	-----	: 8
भाग्यांक	-----	: 2
मित्रांक	-----	: 4, 6, 5
शुभ वर्ष	-----	: 26, 35, 44, 53, 62
शुभ दिवस	-----	: शनिवार, बुधवार, शुक्रवार
शुभ ग्रह	-----	: शनि, बुध, शुक्र
अशुभ ग्रह	-----	: मंगल, गुरू
मित्र राशि	-----	: वृश्चिक, मेष
मित्र लग्न	-----	: मकर, मेष, मिथुन, सिंह
शुभ रत्न	-----	: हीरा
शुभ उपरत्न	-----	: तुंक हीरा, कसला, सिम्मा
भाग्य रत्न	-----	: पन्ना
अनुकूल देवता	-----	: सूर्य
शुभ धातु	-----	: रजत
शुभ रंग	-----	: श्वेत
दिशा	-----	: दक्षिणपूर्व
वेळ	-----	: सूर्योदय
पदार्थ	-----	: मिसरी, सुगंधी, गही, श्वेतचंदन
अन्न	-----	: चावल
द्रव्य	-----	: दूध

**Madhura**

**विवाह गुणांक कोष्टक**

राशि - सिंह , नक्षत्र(चरण) - पूर्वा-फा.(4)

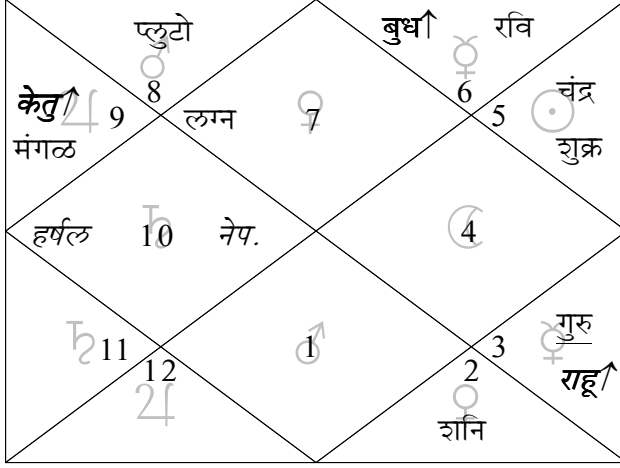
राशी	नक्षत्र	चरण	वर्ण	वश्य	तारा	योनि	मैत्री	गण	भकूट	नाडी	गुण
मेष	अश्विनी	1,2,3,4	1	0	3	2	5	6	0	8	25
मेष	भरणी	1,2,3,4	1	0	3	2	5	6	0	0	17
मेष	कृत्तिका	1	1	0	3	2	5	0	0	8	19
वृषभ	कृत्तिका	2,3,4	0	0	3	2	0	0	7	8	20
वृषभ	रोहिणी	1,2,3,4	0	0	1.5	1	0	6	7	8	23.5
वृषभ	मृग	1,2	0	0	1.5	1	0	6	7	0	15.5
मिथुन	मृग	3,4	0	0	1.5	1	4	6	7	0	19.5
मिथुन	आर्द्रा	1,2,3,4	0	0	1.5	1	4	6	7	8	27.5
मिथुन	पुनर्वसु	1,2,3	0	0	1.5	0	4	6	7	8	26.5
कर्क	पुनर्वसु	4	1	1	1.5	0	5	6	0	8	22.5
कर्क	पुष्य	1,2,3,4	1	1	1.5	2	5	6	0	0	16.5
कर्क	आश्लेशा	1,2,3,4	1	1	1.5	0	5	0	0	8	16.5
सिंह	मघा	1,2,3,4	1	2	3	4	5	0	7	8	30
सिंह	पूर्वा-फा.	1,2,3,4	1	2	3	4	5	6	7	0	28
सिंह	उत्तरा-फा.	1	1	2	3	2	5	6	7	8	34
कन्या	उत्तरा-फा.	2,3,4	0	0	3	2	4	6	0	8	23
कन्या	हस्त	1,2,3,4	0	0	1.5	2	4	6	0	8	21.5
कन्या	चित्रा	1,2	0	0	1.5	2	4	0	0	0	7.5
तुळ	चित्रा	3,4	0	0	1.5	2	0	0	7	0	10.5
तुळ	स्वाती	1,2,3,4	0	0	1.5	2	0	6	7	8	24.5
तुळ	विशाखा	1,2,3	0	0	1.5	2	0	0	7	8	18.5
वृश्चिक	विशाखा	4	1	0	1.5	2	5	0	7	8	24.5
वृश्चिक	अनुराधा	1,2,3,4	1	0	1.5	2	5	6	7	0	22.5
वृश्चिक	ज्येष्ठा	1,2,3,4	1	0	1.5	2	5	0	7	8	24.5
धनु	मूळ	1,2,3,4	1	0	3	1	5	0	0	8	18
धनु	पू.षाढा	1,2,3,4	1	0	3	2	5	6	0	0	17
धनु	उ.षाढा	1	1	0	3	1	5	6	0	8	24
मकर	उ.षाढा	2,3,4	0	1	3	1	0	6	0	8	19
मकर	श्रवण	1,2,3,4	0	1	1.5	2	0	6	0	8	18.5
मकर	धनिष्ठा	1,2	0	0	1.5	2	0	0	0	0	3.5
कुंभ	धनिष्ठा	3,4	0	0	1.5	2	0	0	7	0	10.5
कुंभ	शततारका	1,2,3,4	0	0	1.5	2	0	0	7	8	18.5
कुंभ	पू.भाद्र	1,2,3	0	0	1.5	2	0	6	7	8	24.5
मीन	पू.भाद्र	4	1	1	1.5	2	5	6	0	8	24.5
मीन	उ.भाद्र	1,2,3,4	1	1	1.5	2	5	6	0	0	16.5
मीन	रेवती	1,2,3,4	1	1	1.5	2	5	6	0	8	24.5



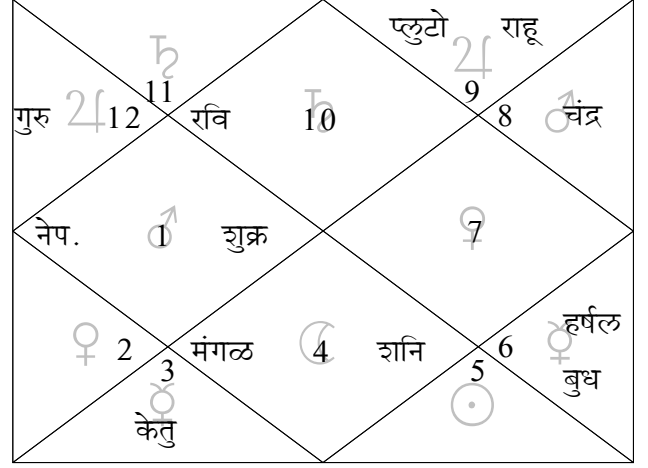
॥ अथ श्री जन्मपत्रिका ॥

जन्म दिनांक : 17/09/2001 जन्म दिवस : सोमवार  
जन्म वेळ (इष्टघटी) : 09:30:00 ( 07:33:21 ) अयनांश : 23:52:34 ( CP )  
स्थान : mumbai / india ( 018:57:N, 072:49:E, +05:30 )  
हिन्दु महिना (का.) : 2057 - भाद्रपद हिन्दु महिना (चै) : 2058 - अधिक - अश्विन  
चंद्र राशी : सिंह ( मं ट ) तिथी : कृष्ण - 15  
नक्षत्र : पूर्वा-फा. - 4 ( टू ) योग : शुभ  
करण : नाग शक संवत् : 1923

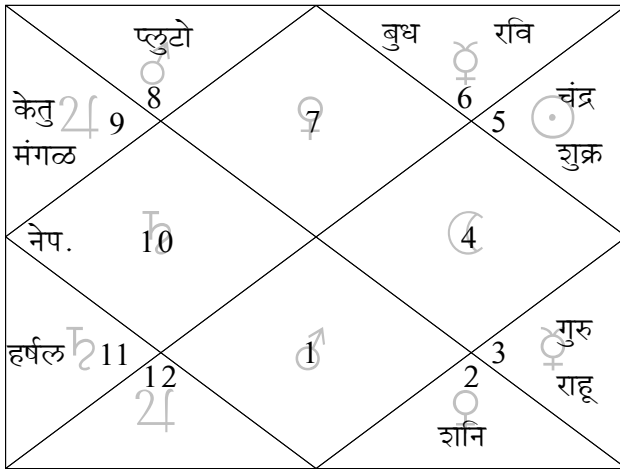
लग्न कुंडली



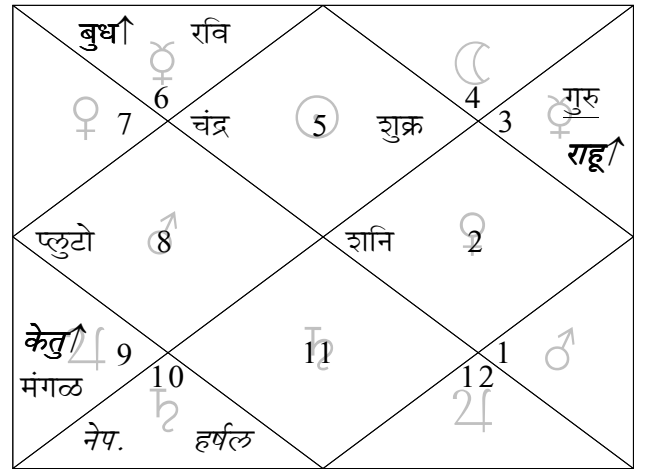
नवमांश कुंडली



चलित कुंडली



चंद्र राशी कुंडली



विंशोत्तरी महादशा

शुक्र	07/10/2001
रवि	07/10/2007
चंद्र	07/10/2017
मंगळ	07/10/2024
राहू	07/10/2042
गुरु	07/10/2058
शनि	07/10/2077
बुध	07/10/2094
केतु	07/10/2101

निरयन स्पष्ट ग्रह

लग्न	तुळ	12:38:13	स्वाती	2
रवि	कन्या	00:27:34	उत्तरा-फा.	2
चंद्र	सिंह	26:37:46	पूर्वा-फा.	4
मंगळ	धनु	10:36:28	मूळ	4
बुध	कन्या	26:49:14	चित्रा	2
गुरु	मिथुन	18:29:58	आर्द्रा	4
शुक्र	सिंह	01:21:08	मघा	1
शनि	वृषभ	21:00:18	रोहिणी	4
राहू	(व) मिथुन	08:05:19	आर्द्रा	1
केतु	(व) धनु	08:05:19	मूळ	3

अवकहड़ा चक्र

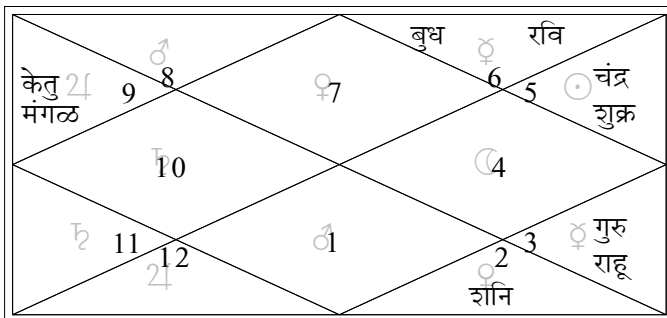
योग	शुभ
करण	नाग
वर्ण	क्षत्रिय
तत्व	अग्नि
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
योनि	ऊंदीर
गण	मनुष्य
युंजा	मध्य
नाडी	मध्य

**Madhura**

**विंशोत्तरी महादशा**

( भोग्यदशा : शुक्र - 00 वर्ष, 00 महिना, 20 दिवस )

शुक्र 17/09/2001 व य (20) 07/10/2001				रवि 07/10/2001 व य (6) 07/10/2007				चंद्र 07/10/2007 व य (10) 07/10/2017			
-	-	-	-	-	रवि	07/10/2001	1	S	चंद्र	07/10/2007	6
-	-	-	-	++	चंद्र	24/01/2002	1	S*	मंगळ	07/08/2008	6
-	-	-	-	++	मंगळ	26/07/2002	1	S*	राहू	08/03/2009	7
-	-	-	-	*	राहू	01/12/2002	1	S++	गुरु	07/09/2010	8
-	-	-	-	++	गुरु	26/10/2003	2	*	शनि	07/01/2012	10
-	-	-	-	--	शनि	13/08/2004	2	*	बुध	07/08/2013	11
-	-	-	-	S*	बुध	26/07/2005	3	s--	केतु	06/01/2015	13
-	-	-	-	S*	केतु	01/06/2006	4	s--	शुक्र	07/08/2015	13
*	केतु	17/09/2001	1	S*	शुक्र	07/10/2006	5	++	रवि	07/04/2017	15
मंगळ 07/10/2017 व य (7) 07/10/2024				राहू 07/10/2024 व य (18) 07/10/2042				गुरु 07/10/2042 व य (16) 07/10/2058			
s	मंगळ	07/10/2017	16	राहू	07/10/2024	23	गुरु	07/10/2042	41		
--	राहू	05/03/2018	16	-	गुरु	20/06/2027	25	s+	शनि	24/11/2044	43
*	गुरु	24/03/2019	17	++	शनि	12/11/2029	28	+	बुध	08/06/2047	45
--	शनि	27/02/2020	18	++	बुध	18/09/2032	30	-	केतु	13/09/2049	47
+	बुध	07/04/2021	19	S--	केतु	08/04/2035	33	+	शुक्र	19/08/2050	48
*	केतु	04/04/2022	20	S++	शुक्र	25/04/2036	34	++	रवि	19/04/2053	51
-	शुक्र	01/09/2022	20	S*	रवि	26/04/2039	37	+	चंद्र	06/02/2054	52
++	रवि	01/11/2023	22	S*	चंद्र	20/03/2040	38	s*	मंगळ	08/06/2055	53
-	चंद्र	08/03/2024	22	S--	मंगळ	19/09/2041	39	s-	राहू	14/05/2056	54
शनि 07/10/2058 व य (19) 07/10/2077				बुध 07/10/2077 व य (17) 07/10/2094				केतु 07/10/2094 व य (7) 07/10/2101			
-	शनि	07/10/2058	57	बुध	07/10/2077	76	S	केतु	07/10/2094	93	
-	बुध	10/10/2061	60	+	केतु	05/03/2080	78	S*	शुक्र	05/03/2095	93
S--	केतु	19/06/2064	62	++	शुक्र	02/03/2081	79	S*	रवि	04/05/2096	94
S++	शुक्र	29/07/2065	63	-	रवि	01/01/2084	82	S--	चंद्र	09/09/2096	94
S--	रवि	27/09/2068	66	s++	चंद्र	06/11/2084	83	S*	मंगळ	10/04/2097	95
S+	चंद्र	09/09/2069	67	s*	मंगळ	07/04/2086	84	S--	राहू	06/09/2097	95
-	मंगळ	11/04/2071	69	++	राहू	05/04/2087	85	S-	गुरु	25/09/2098	96
++	राहू	20/05/2072	70	*	गुरु	22/10/2089	88	S--	शनि	01/09/2099	97
s+	गुरु	27/03/2075	73	*	शनि	28/01/2092	90	+	बुध	10/10/2100	99



**Note:**

- Dates specified above are starting dates.
- The sign besides date indicates the following :  
 S = Sadesati      s = Small Panoti  
 + = Friend      - = Enemy  
 \* = Neutral      -- = Bitter Enemy  
 ++ = Intimate

**Madhura**

**योगिनी दशा - 1**

उल्का	17/09/2001	-	23/09/2001
भद्रीका	17/09/2001	-	23/09/2001

सिद्धा	23/09/2001	-	22/09/2008
सिद्धा	23/09/2001	-	02/02/2003
संकटा	02/02/2003	-	23/08/2004
मंगला	23/08/2004	-	02/11/2004
पिंगला	02/11/2004	-	24/03/2005
धान्या	24/03/2005	-	23/10/2005
भ्राम्हरी	23/10/2005	-	03/08/2006
भद्रीका	03/08/2006	-	24/07/2007
उल्का	24/07/2007	-	22/09/2008

संकटा	22/09/2008	-	22/09/2016
संकटा	22/09/2008	-	03/07/2010
मंगला	03/07/2010	-	22/09/2010
पिंगला	22/09/2010	-	03/03/2011
धान्या	03/03/2011	-	02/11/2011
भ्राम्हरी	02/11/2011	-	22/09/2012
भद्रीका	22/09/2012	-	02/11/2013
उल्का	02/11/2013	-	04/03/2015
सिद्धा	04/03/2015	-	22/09/2016

मंगला	22/09/2016	-	22/09/2017
मंगला	22/09/2016	-	02/10/2016
पिंगला	02/10/2016	-	22/10/2016
धान्या	22/10/2016	-	21/11/2016
भ्राम्हरी	21/11/2016	-	01/01/2017
भद्रीका	01/01/2017	-	21/02/2017
उल्का	21/02/2017	-	23/04/2017
सिद्धा	23/04/2017	-	03/07/2017
संकटा	03/07/2017	-	22/09/2017

पिंगला	22/09/2017	-	22/09/2019
पिंगला	22/09/2017	-	02/11/2017
धान्या	02/11/2017	-	02/01/2018
भ्राम्हरी	02/01/2018	-	24/03/2018
भद्रीका	24/03/2018	-	03/07/2018
उल्का	03/07/2018	-	02/11/2018
सिद्धा	02/11/2018	-	24/03/2019
संकटा	24/03/2019	-	02/09/2019
मंगला	02/09/2019	-	22/09/2019

धान्या	22/09/2019	-	22/09/2022
धान्या	22/09/2019	-	22/12/2019
भ्राम्हरी	22/12/2019	-	22/04/2020
भद्रीका	22/04/2020	-	21/09/2020
उल्का	21/09/2020	-	23/03/2021
सिद्धा	23/03/2021	-	22/10/2021
संकटा	22/10/2021	-	23/06/2022
मंगला	23/06/2022	-	23/07/2022
पिंगला	23/07/2022	-	22/09/2022

भ्राम्हरी	22/09/2022	-	23/09/2026
भ्राम्हरी	22/09/2022	-	03/03/2023
भद्रीका	03/03/2023	-	22/09/2023
उल्का	22/09/2023	-	23/05/2024
सिद्धा	23/05/2024	-	03/03/2025
संकटा	03/03/2025	-	22/01/2026
मंगला	22/01/2026	-	04/03/2026
पिंगला	04/03/2026	-	24/05/2026
धान्या	24/05/2026	-	23/09/2026

भद्रीका	23/09/2026	-	23/09/2031
भद्रीका	23/09/2026	-	04/06/2027
उल्का	04/06/2027	-	03/04/2028
सिद्धा	03/04/2028	-	24/03/2029
संकटा	24/03/2029	-	04/05/2030
मंगला	04/05/2030	-	24/06/2030
पिंगला	24/06/2030	-	03/10/2030
धान्या	03/10/2030	-	04/03/2031
भ्राम्हरी	04/03/2031	-	23/09/2031

**Madhura**

**योगिनी दशा - 2**

उल्का	23/09/2031	-	23/09/2037
उल्का	23/09/2031	-	22/09/2032
सिद्धा	22/09/2032	-	22/11/2033
संकटा	22/11/2033	-	24/03/2035
मंगला	24/03/2035	-	24/05/2035
पिंगला	24/05/2035	-	23/09/2035
धान्या	23/09/2035	-	24/03/2036
भ्राम्हरी	24/03/2036	-	23/11/2036
भद्रीका	23/11/2036	-	23/09/2037

सिद्धा	23/09/2037	-	22/09/2044
सिद्धा	23/09/2037	-	02/02/2039
संकटा	02/02/2039	-	23/08/2040
मंगला	23/08/2040	-	02/11/2040
पिंगला	02/11/2040	-	24/03/2041
धान्या	24/03/2041	-	23/10/2041
भ्राम्हरी	23/10/2041	-	03/08/2042
भद्रीका	03/08/2042	-	24/07/2043
उल्का	24/07/2043	-	22/09/2044

संकटा	22/09/2044	-	22/09/2052
संकटा	22/09/2044	-	03/07/2046
मंगला	03/07/2046	-	22/09/2046
पिंगला	22/09/2046	-	03/03/2047
धान्या	03/03/2047	-	02/11/2047
भ्राम्हरी	02/11/2047	-	22/09/2048
भद्रीका	22/09/2048	-	02/11/2049
उल्का	02/11/2049	-	04/03/2051
सिद्धा	04/03/2051	-	22/09/2052

मंगला	22/09/2052	-	22/09/2053
मंगला	22/09/2052	-	02/10/2052
पिंगला	02/10/2052	-	22/10/2052
धान्या	22/10/2052	-	21/11/2052
भ्राम्हरी	21/11/2052	-	01/01/2053
भद्रीका	01/01/2053	-	21/02/2053
उल्का	21/02/2053	-	23/04/2053
सिद्धा	23/04/2053	-	03/07/2053
संकटा	03/07/2053	-	22/09/2053

पिंगला	22/09/2053	-	22/09/2055
पिंगला	22/09/2053	-	02/11/2053
धान्या	02/11/2053	-	02/01/2054
भ्राम्हरी	02/01/2054	-	24/03/2054
भद्रीका	24/03/2054	-	03/07/2054
उल्का	03/07/2054	-	02/11/2054
सिद्धा	02/11/2054	-	24/03/2055
संकटा	24/03/2055	-	02/09/2055
मंगला	02/09/2055	-	22/09/2055

धान्या	22/09/2055	-	22/09/2058
धान्या	22/09/2055	-	22/12/2055
भ्राम्हरी	22/12/2055	-	22/04/2056
भद्रीका	22/04/2056	-	21/09/2056
उल्का	21/09/2056	-	23/03/2057
सिद्धा	23/03/2057	-	22/10/2057
संकटा	22/10/2057	-	23/06/2058
मंगला	23/06/2058	-	23/07/2058
पिंगला	23/07/2058	-	22/09/2058

भ्राम्हरी	22/09/2058	-	23/09/2062
भ्राम्हरी	22/09/2058	-	03/03/2059
भद्रीका	03/03/2059	-	22/09/2059
उल्का	22/09/2059	-	23/05/2060
सिद्धा	23/05/2060	-	03/03/2061
संकटा	03/03/2061	-	22/01/2062
मंगला	22/01/2062	-	04/03/2062
पिंगला	04/03/2062	-	24/05/2062
धान्या	24/05/2062	-	23/09/2062

भद्रीका	23/09/2062	-	23/09/2067
भद्रीका	23/09/2062	-	04/06/2063
उल्का	04/06/2063	-	03/04/2064
सिद्धा	03/04/2064	-	24/03/2065
संकटा	24/03/2065	-	04/05/2066
मंगला	04/05/2066	-	24/06/2066
पिंगला	24/06/2066	-	03/10/2066
धान्या	03/10/2066	-	04/03/2067
भ्राम्हरी	04/03/2067	-	23/09/2067

**Madhura**

**योगिनी दशा - 3**

<b>उल्का 23/09/2067 - 23/09/2073</b>			
उल्का	23/09/2067	-	22/09/2068
सिद्धा	22/09/2068	-	22/11/2069
संकटा	22/11/2069	-	24/03/2071
मंगला	24/03/2071	-	24/05/2071
पिंगला	24/05/2071	-	23/09/2071
धान्या	23/09/2071	-	24/03/2072
भ्राम्हरी	24/03/2072	-	23/11/2072
भद्रीका	23/11/2072	-	23/09/2073

<b>सिद्धा 23/09/2073 - 22/09/2080</b>			
सिद्धा	23/09/2073	-	02/02/2075
संकटा	02/02/2075	-	23/08/2076
मंगला	23/08/2076	-	02/11/2076
पिंगला	02/11/2076	-	24/03/2077
धान्या	24/03/2077	-	23/10/2077
भ्राम्हरी	23/10/2077	-	03/08/2078
भद्रीका	03/08/2078	-	24/07/2079
उल्का	24/07/2079	-	22/09/2080

<b>संकटा 22/09/2080 - 22/09/2088</b>			
संकटा	22/09/2080	-	03/07/2082
मंगला	03/07/2082	-	22/09/2082
पिंगला	22/09/2082	-	03/03/2083
धान्या	03/03/2083	-	02/11/2083
भ्राम्हरी	02/11/2083	-	22/09/2084
भद्रीका	22/09/2084	-	02/11/2085
उल्का	02/11/2085	-	04/03/2087
सिद्धा	04/03/2087	-	22/09/2088

<b>मंगला 22/09/2088 - 22/09/2089</b>			
मंगला	22/09/2088	-	02/10/2088
पिंगला	02/10/2088	-	22/10/2088
धान्या	22/10/2088	-	21/11/2088
भ्राम्हरी	21/11/2088	-	01/01/2089
भद्रीका	01/01/2089	-	21/02/2089
उल्का	21/02/2089	-	23/04/2089
सिद्धा	23/04/2089	-	03/07/2089
संकटा	03/07/2089	-	22/09/2089

<b>पिंगला 22/09/2089 - 22/09/2091</b>			
पिंगला	22/09/2089	-	02/11/2089
धान्या	02/11/2089	-	02/01/2090
भ्राम्हरी	02/01/2090	-	24/03/2090
भद्रीका	24/03/2090	-	03/07/2090
उल्का	03/07/2090	-	02/11/2090
सिद्धा	02/11/2090	-	24/03/2091
संकटा	24/03/2091	-	02/09/2091
मंगला	02/09/2091	-	22/09/2091

<b>धान्या 22/09/2091 - 22/09/2094</b>			
धान्या	22/09/2091	-	22/12/2091
भ्राम्हरी	22/12/2091	-	22/04/2092
भद्रीका	22/04/2092	-	21/09/2092
उल्का	21/09/2092	-	23/03/2093
सिद्धा	23/03/2093	-	22/10/2093
संकटा	22/10/2093	-	23/06/2094
मंगला	23/06/2094	-	23/07/2094
पिंगला	23/07/2094	-	22/09/2094

<b>भ्राम्हरी 22/09/2094 - 23/09/2098</b>			
भ्राम्हरी	22/09/2094	-	03/03/2095
भद्रीका	03/03/2095	-	22/09/2095
उल्का	22/09/2095	-	23/05/2096
सिद्धा	23/05/2096	-	03/03/2097
संकटा	03/03/2097	-	22/01/2098
मंगला	22/01/2098	-	04/03/2098
पिंगला	04/03/2098	-	24/05/2098
धान्या	24/05/2098	-	23/09/2098

<b>भद्रीका 23/09/2098 - 23/09/2103</b>			
भद्रीका	23/09/2098	-	03/06/2099
उल्का	03/06/2099	-	03/04/2100
सिद्धा	03/04/2100	-	24/03/2101
संकटा	24/03/2101	-	04/05/2102
मंगला	04/05/2102	-	24/06/2102
पिंगला	24/06/2102	-	03/10/2102
धान्या	03/10/2102	-	04/03/2103
भ्राम्हरी	04/03/2103	-	23/09/2103

## शारीरिक घडण, व्यक्तिमत्व आणि प्रकृती

1



तुम्ही तुला लग्नमध्ये जन्मलेले आहात, तुमचे शरीर सुदृढ व आकर्षक असेल. स्वभावाने तुम्ही नम्र असाल व बोलण्यामध्ये तुम्ही मधुर शब्दांचा वापर कराल. इतकेच नव्हे तर तुम्ही तुमच्या प्रबळ शत्रुबरोबरही शांत आणि कोमल भावाचा व्यवहार कराल. त्यामुळे त्यांना तुमच्याकडून कुठल्याही प्रकारचा त्रास होणार नाही. ह्या गुणांमुळे तुम्ही समाजामध्ये लोकप्रिय व्हाल. तसेच सर्व लोक तुम्हाला यथोचित मान सन्मान देतील. तुम्ही एक आनंदी व्यक्ति असाल. लहान मुलांबद्दल तुमच्या मनामध्ये तीव्र आकर्षण राहिल. सुंदर वस्तु व दृश्ये बघून तुम्हाला अधिक प्रसन्नता प्राप्त होईल. तुमच्या व्यक्तिमत्त्वाचे एक प्रमुख लक्षण असे असेल की तुम्ही कधी कोणाला दुःखी करणार नाही. तुम्ही एक विद्वान व्यक्ती असाल. तसेच कलेमध्ये रूचीशील असाल व कलेशी तुमचा भावनात्मक संबंध राहिल. नीती संबंधी कार्यामध्ये ही तुम्ही सदैव दक्ष रहाल.

तुम्ही सर्वच महत्वपूर्ण कार्ये नीतीनुसार कराल. आणि नवीन वाक्यरचना बनवण्याची तुम्हाला आवड असेल. नवीन सिद्धांत निर्माण करू शकाल. तुमच्यामध्ये मानसिक शक्ति प्रबळ राहिल. तुमची कार्ये तुम्ही लवकरच पूर्ण कराल परंतु कोणत्याही एका विशेष सिद्धांतावर अटळ रहाणार नाही. वेळेनुसार त्यात बदल करत रहाल. भाऊ बहिणी आणि नातेवाईकांना तुम्ही तुमच्याकडून पूर्ण सुख आणि सहकार्य द्याल त्यातून तुम्हाला काही विशेष सुख मिळणार नाही पण मोठ्या प्रमाणात कष्ट निर्माण होण्याची शक्यता आहे.

राजनीती क्षेत्रामध्ये तुम्ही यश प्राप्त करू शकता. तुमचा सामाजिक दृष्टीकोन भव्य राहिल. भेद भाव न करता सगळ्या लोकांशी समानतेचा व्यवहार कराल. त्यामुळे सर्व लोक प्रभावित होतील. तुमच्या व्यक्तिमत्त्वामध्ये नाजुकपणा व संवेदनशीलतेचे रूप स्पष्ट पणे दिसून येईल. तुम्ही तुमच्या कुटुंबात व कुळामध्ये सर्व श्रेष्ठ रहाल. तुमची बुद्धि अंत्यत तीव्र असेल व कोणताही हेतु सिद्ध करण्यास तुम्ही समर्थ असाल. तुम्ही तुमच्या शत्रु व विरोधकांवर बौद्धिक रूपाने विजय प्राप्त कराल व ते तुम्हाला मान सन्मानाच्या दृष्टी कोनातून तुमच्याबरोबर वर्तन ठेवतील. तुमच्या मनामध्ये साधुसंतांबद्दल आदर राहिल. व्यापार व कायद्यासंबंधीच्या कार्यातून तुम्हाला लाभ होऊ शकतो. अशा प्रकारे तुम्ही शांती प्रिय, नेतृत्व, सज्जनपणा, लोकप्रियता, न्यायी ह्या गुणांनी परिपूर्ण होऊन आपले जीवन आनंद पूर्वक जगाल.

## धन, परिवार, नेत्र आणि वाणी

2



जल तत्व

तुमच्या जन्माच्या वेळी द्वितीय स्थानामध्ये वृश्चिक राशी उदित होत होती, जिचा स्वामी मंगळ आहे. ह्याच्या प्रभावाने तुम्ही जीवनामध्ये स्वावलंबनाने आणि कठीण परिश्रमाने धन प्राप्त करण्यात सफल व्हाल. कृषीउद्योग आणि बाग बगीच्या संबंधीच्या कार्यामध्ये तुमची आवड असेल. वाड-वडिलांची संपत्ती थोड्या प्रमाणात तुम्हाला प्राप्त होऊ शकते. परंतु बहुमूल्य रत्न आणि धातु प्राप्त करण्यामध्ये तुम्ही असमर्थ रहाल. जमीन व बंगला घेऊन विकणे ह्यात तुम्हाला मोठ्या प्रमाणात लाभ होऊ शकतो. तुम्ही एक महत्वाकांक्षी व्यक्ती असाल. जीवनामध्ये कौटुंबिक सहयोग व मान सन्मान प्राप्त करण्यामध्ये तुम्ही समर्थ असाल. परंतु कठीण परिस्थितीचा सामना करण्यामध्ये तुम्ही असमर्थ रहाल.

कुटुंबियांची प्रसन्नता व सुख सुविधांसाठी तुम्ही सतत प्रयत्नशील रहाल. गोड पदार्थ खाण्यामध्ये तुम्हाला आनंद प्राप्त होईल. परंतु प्रौढावस्थेमध्ये डोळ्यांसंबंधी तुम्हाला थोडा त्रास होण्याची शक्यता आहे. तुमचे बोलणे प्रभावशाली राहील. अधिकतर लोक तुमच्याशी सहमत असतील. धार्मिक परंपरांचे कार्य तुम्ही संपूर्ण रूपाने पूर्ण कराल. सज्जन लोकांबद्दल तुमच्या मनामध्ये आदर भाव असेल.

## पराक्रम, भावंडे, प्रकाशन आणि लघुयात्रा

3



अग्नि तत्व

तुमच्या जन्माच्या वेळी तृतीय स्थानामध्ये धनु राशी उदित होत होती, जिचा स्वामी गुरू आहे. ह्याच्या प्रभावाने तुमची स्मरणशक्ती अतिशय तीव्र राहिल. सामाजिक कार्यात व अन्य क्षेत्रामध्ये तुम्हाला लवकरच यश प्राप्त होईल. काही चुकांकडे तुम्ही दुर्लक्ष कराल. तुम्हाला भाऊ-बहिणी असतील व त्यांच्यापासून तुम्हाला जीवनामध्ये पूर्ण सुख व सहयोग प्राप्त होईल. तुम्ही त्याच्या सुख सुविधेसाठी चिंतीत रहाल व स्वतःकडून कुठल्याही प्रकारचे कष्ट त्यांच्या होऊ देणार नाही. ते सर्व आज्ञाधारक, विश्वासू व कर्तव्य पालन करणारे असतील व स्पष्ट बोलण्याचा वृत्ती त्यांच्यात राहिल.

तुम्ही एक धाडसी व पराक्रमी व्यक्ती असाल. नेत्यांना ओळखून घ्याल व त्यांच्याबद्दल तुमच्या मनामध्ये आस्था राहिल तुमच्यासाठी प्रवास लाभदायी व नाव प्राप्त करून देणारे ठरतील. तुम्हाला वाचनाची आवड असेल व धार्मिक ग्रंथ वैज्ञानिक आणि साहित्यिक पुस्तके देखील तुम्ही वाचाल. नवीन उपकरणांच्या साधनाने तुम्ही परिपूर्ण असाल व आनंदपूर्वक त्याचा वापर कराल. त्यात टेलीफोन, टेलीवीजन व वाहन इत्यादींचा प्रमुख समावेश राहिल. संगीत आणि हस्तकलेची देखील तुम्हाला आवड राहिल. त्यातून तुम्ही तुमचे मनोरंजन करत रहाल. तुम्ही एका मोठ्या संस्थेचे उच्चअधिकारी, व गरीब दुःखी माणसांबद्दल दयाळू रहाल. त्यामुळे समाजात तुम्ही आदरणीय म्हणून ओळखले जाल.

साहस, पराक्रम, कर्तृत्व, शूरता, धैर्य ह्या दृष्टीने हा मंगळ महत्वाचा आहे. अशा व्यक्ती मनाच्या चंचल पण परिस्थितीला न डगमगणाऱ्या, बुद्धीने चलाख पण हटवादी असतात. अशा व्यक्तींना त्यांच्या मताविरोधी होणारी टीका सहन होत नाही. वैचारिक, बौद्धिक, हटवादीपणा, स्वमताग्रह असतो. तृतीयेतील मंगळ भावंडांच्यादृष्टीने अशुभ कारक असतो, लहानपणी काही भावंडे जातात, संघर्षप्रिय असा मंगळ भावंडांत मताविरोध, न जमणे, विभक्त राहणे ह्या स्वरूपात फळे देतो. वास्तविक मंगळ हा खुनशी नीच स्वभावाचा ग्रह नाही. त्यामुळे भावंडाच्या वेगळे राहण्यात नीच वृत्तीचा भाग नसतो. परिस्थितीचा, प्रांजल स्वभावाचा भाग असतो. तृतीयेत मंगळ - राहू, मंगळ - शनि, मंगळ - हर्षल, मंगळ - नेपच्यून, हे योग एखाद्या भावडात शारीरिक व्यंग, अपघाती व कायमचे मोठे आजार वगैरे परिणामांनी भ्रातृसौख्य नष्ट करतात असे योग कानाची दुखणी, मानसिक कमकुवतता व बौद्धिक व्यग्रता दाखवितात. तृतीय स्थान अष्टमाचेअष्टम असल्याने हे योग आयुर्मर्यादा कमी करतात तृतीयेत मंगळ व्यक्तीच्या लिहिण्याच्या प्रकारात ठासून, मोठे ठळठळीत सुटे अक्षर काढण्याची पद्धत



परक्रम, भावंडे, प्रकाशन आणि लघुयात्रा

3



अग्नि तत्व

दाखवितो. तृतीयांत रवि, शनिबरोबर मंगळ असता हाताचे हाड मोडण्याची शक्यता असूशकते.

## आई, वाहन, भौतिक ऐश्वर्य, प्रॉपर्टी आणि शिक्षण

4



पृथ्वी तत्व

तुमच्या जन्माच्या वेळी चतुर्थ स्थानामध्ये मकर राशी उदित होत होती, जिचा स्वामी शनि आहे. ह्याच्या प्रभावाने तुमची आई नवीन विचार धारणेची व्यक्ती असेल. कुटुंबाचे ती उत्तम पालन करील. तुमची चांगल्या प्रकारे सेवा करील व स्वादिष्ट जेवण जेवायला देईल. वृद्धावस्थेमध्ये थोड्या फार प्रमाणात शारीरिक दुखापत होऊ शकते. तुमच्या वडिलांसाठी ती फार मोठेकष्ट करील व सांसारिक कार्यामध्ये ती आपला सहयोग प्रदान करील.

तुमच्याकडे सुंदर, आकर्षक आणि आरामदायक अशा वस्तु असतील. वाहन सुखाची प्राप्ती तुम्हाला होईल. सरकार व सरकारी कामामध्ये तुम्ही प्रकाशकाचे काम कराल. गुप्त धन व विद्या तुम्ही प्राप्त करू शकता. ज्योतीष तंत्र-मंत्रावर तुमचा विश्वास राहील. वाड-वडिलांची संपत्ती प्राप्त होईल. शिक्षण क्षेत्रात योग्य असे यश प्राप्त होईल. स्पर्धा परीक्षांमध्ये तुम्हाला योग्य असे यश प्राप्त होईल. गणित साहित्य व मनोविज्ञान यात तुम्ही मोठ्या प्रमाणावर ज्ञान प्राप्त कराल आणि मित्रां पासून मोठ्या प्रमाणात लाभ होऊ शकेल.

## बुद्धि, संतती आणि प्रणय संबंध

5



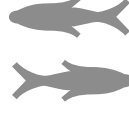
वायु तत्व

तुमच्या जन्माच्या वेळी पंचम स्थानामध्ये कुंभ राशी उदित होत होती, जिचा स्वामी शनि आहे. ह्याच्या प्रभावाने तुम्ही एक बुद्धिमान व्यक्ती असाल. शिक्षणाला तुम्ही योग्य असे योगदान द्याल. कधी कधी तुम्ही स्वतः असुविधाजनक स्थिती निर्माण करून घ्याल. त्यात तुम्हाला थोड्या प्रमाणात अडचण निर्माण होईल. जीवनसाथाला आणि कुटुंबाला तुम्ही पूर्ण सहयोग प्रदान कराल. त्यांच्या सुख-प्राप्तिसाठी तुम्ही नेहमी चिंतीत रहाल. जीवनसाथीच्या रूपामध्ये तुम्हाला बुद्धिमान आणि उच्चशिक्षित जीवनसाथी मिळेल. तुम्ही प्रेमाची भावना स्वतःच्या अंतर्मनात बाळगून ठेवाल व लोकां समोर ती तुम्ही कमी प्रमाणात प्रकट कराल. कुटुंबाचे तुम्ही सर्व तऱ्हेने पालन कराल.

संगीताची तुम्हाला आवड असेल. त्यामुळे जीवनात तुम्हाला पूर्ण सुख आणि सहयोग प्राप्त होत राहील. शेवटी ह्या सर्व गुणांनी परिपूर्ण होऊन जीवनात तुम्ही प्रत्येक क्षेत्रात सुयश प्राप्त कराल. वैदिक साहित्य आणि ज्योतिषाची तुम्हाला आवड असेल. मनापासून ह्याचे ज्ञान प्राप्त करून घ्याल. तुम्ही तुमच्या जीवनसाथीवर विश्वास ठेवाल व त्यातून तुम्हाला योग्य तो आदर सन्मान प्राप्त होईल. आणि त्याच्या आज्ञेचे पालन कराल. तुम्ही त्यांच्या शिक्षणाची पूर्ण व्यवस्था कराल. तसेच साहस, पराक्रम, निर्भयता व आत्मविश्वाचे भाव जागृत कराल. जुन्या रीतीरीवाजांवर विश्वास ठेवाल. तुम्ही धैर्यशाली, गंभीर प्रवृत्तीचे, सत्यवादी व आपले कल्याण करण्यासाठी सदा तत्पर असाल.

## रोग, शत्रु, नोकर आणि मामा

6



जल तत्व

तुमच्या जन्माच्या वेळी षष्ठम स्थानामध्ये मीन राशी उदित होत होती, जिचा स्वामी गुरू आहे. ह्याच्या प्रभावाने तुम्हाला उच्चअधिकार असलेल्या व्यक्तीशी सामना करावा लागेल. काही शत्रूंच्या मानसन्मानाबाबत सर्वदा प्रयत्नशील रहावे लागेल. त्यामुळे लोकांमध्ये तुम्हाला कमीपणा येईल. तुमचे नोकर तुमच्यासाठी आज्ञाधारक आणि विश्वासपात्र ठरतील, आणि इमानदारीने सेवा करण्यात ते तत्पर असतील परंतु त्यांना उचित परीश्रमाचे योगदान मिळाले नाही तर तुमच्या घरात ते कुठल्याही प्रकारची चोरी करू शकतील.

तुमची प्रवृत्ती मोठ्यात मोठ्या प्रमाणात धन जमा करण्याची राहिल. शेवटी त्या पैशांचा चांगल्या कामासाठी वापर करू द्याल. वेगवेगळ्या ठिकाणी पैसा जमा कराल. परंतु त्यात तुमचे नुकसान होण्याची शक्यता आहे. त्यामुळे कर्ज घेणे भाग पडेल. परंतु कर्ज देणारे तुम्हाला विशेष सहयोग देणार नाहीत. तुमच्या मानसन्मानामध्ये ते कमीपणा आणतील. वेळेनुसार भाऊ व अन्य नातेवाईक आर्थिक दृष्ट्या तुम्हाला हानी पोहोचवतील. म्हणूनच विचारपूर्वक कोणतेही कार्य केले पाहिजे.

जीवनामध्ये नातेवाईकांशी अथवा अन्य लोकांशी कोर्टकज्जा होण्याची संकेत आहे. मामा मामींशी तुमचे संबध मध्यम असतील. परस्पर सहयोग करण्याच्या बाबतीत ते कमीपणा दाखवतील. शारीरिक स्वास्थ्य टिकवून ठेवण्यासाठी चांगल्या प्रकारचे भोजन करणे जरूरी आहे. जेव्हा तुम्हाला मोठ्या प्रमाणात कठीण परिस्थितीचा सामना करावा लागेल तेव्हा तुम्ही गुप्त कार्य, तंत्र-मंत्र इत्यादी गोष्टींचा शांती आणि सफलतेसाठी वापर कराल.

## दांपत्य, विवाह आणि भागीदारी

7



अग्नि तत्व

तुमच्या जन्माच्या वेळी सप्तम स्थानामध्ये मेष राशी उदित होत होती, जिचा स्वामी मंगळ आहे. ह्याच्या प्रभावाने तुमचा जीवनसाथी सुशील आणि आकर्षक व्यक्तिमत्त्वाचा असेल पण कदाचित त्यांच्यामध्ये उग्रतेचा भावही असेल. परंतु ते लवकर शांत देखील होतील. तुमचा स्वभाव शांत असल्यामुळे तुम्ही त्याच्याशी सामंजस्य स्थापित कराल. आणि कौटुंबिक सुख शांती ठेवण्यासाठी तुम्ही समर्थ असाल.

तुम्हाला सामाजिक कार्याची अधिक आवड राहिल. घरामध्ये आणि कुटुंबामध्ये तुमची प्रवृत्ती शांत राहिल. तुम्ही बुद्धिमान असालच. तसेच अनावश्यक भांडण न करता शांतीने अडचणीचे निराकरण कराल. तुम्ही प्रतिष्ठित माणसाप्रमाणे रहाणे पसंत कराल. जीवनात मोठे बनण्यासाठी सतत प्रयत्नशील राहाल. जीवनसाथीच्या सहयोगाने तुम्ही कुटुंबियाना पूर्ण सुख सुविधा आणि आराम प्रदान करण्यास समर्थ राहाल. तुमच्यासाठी कन्या आणि कुंभ लग्न असलेले लोक लग्न आणि मैत्रीसाठी चांगले असतील. तुमचा जीवनसाथी धन संपत्तीने पूर्ण राहिल व तुम्हाला पूर्ण सुख आणि सहयोग प्रदान करील. तुम्ही व तुमचे जीवनसाथी द्रव्य संबंधी केमिस्ट, इंजीनियरींग, ट्रांसपोर्ट, हॉटेल व कलेच्या क्षेत्रात व्यवसाय किंवा नोकरी करणारे असतील व ते इच्छित लाभ व सन्मान प्राप्त करतील.

## हुंडा, विमा, आयुष्य आणि अपघात

8



पृथ्वी तत्व

तुमच्या जन्माच्या वेळी अष्टम स्थानामध्ये वृषभ राशी उदित होत होती, जिचा स्वामी शुक्र आहे. ह्याच्या प्रभावाने तुमची अध्यात्मिक शक्ति प्रबळ राहिल. ज्योतिष तंत्र-मंत्र इत्यादीवर तुमचा विश्वास राहिल व काही प्रमाणात तुम्ही त्याचे ज्ञान ही प्राप्त करू शकता. तुम्हाला मित्रांकडून किंवा भावांकडून धन मिळू शकते किंवा वाड-वडिलांची संपत्तीही प्राप्त होऊ शकते. अशा प्रकारे स्थावर जंगम संपत्तीचे तुम्ही स्वामी व्हाल आणि समाजामध्ये नाव व सन्मान प्राप्त कराल.

तुमचे दांपत्यजीवन सामान्यतः सुखी राहिल. तुमची सासरची माणसे धनवान व सर्व गुणांनी परीपूर्ण असतील. त्यामुळे तुम्हाला त्यांच्याकडून कुठल्याही प्रकारचे कष्ट होणार नाहीत. तुमच्या घरामध्ये चोरी अथवा कुठलीही दुर्घटना होण्याची शक्यता नाही. तुमच्या मौल्यवान वस्तु तुम्ही पहिल्यापासून सुरक्षित जागेवर ठेवाल. विमा इत्यादी उतरवल्याने तुम्हाला इच्छित लाभ प्राप्त होऊ शकेल म्हणून शेवटी विमा हा तुम्हाला उतरवणे आवश्यक आहे. अल्प प्रमाणात दुर्घटना होण्याची संभावना राहिल. परंतु ह्या दुर्घटनेपासून योग्य बचाव कराल तुम्हाला अतिशय तीव्र गतीने वाहन चालवणे धोक्याचे असेल. तुम्ही दीर्घायुषी असाल. तुम्ही जीवनात आनंद आणि सुखाचा उपभोग करण्यास समर्थ रहाल.

हा शनि दुःख देणारा आहे. हा शनि गरीब घराण्यातील जीवन साथी देतो. पापग्रहाबरोबर असता अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितीला तोड द्यावे लागते. रवि, मंगळ, राहूबरोबर असता आजार पणा देतो.

## सौभाग्य, प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षण आणि लांब प्रवास

9



वायु तत्व

तुमच्या जन्माच्या वेळी नवम स्थानामध्ये मिथुन राशी उदित होत होती, जिचा स्वामी बुध आहे. ह्याच्या प्रभावाने तुम्ही धार्मिक प्रवृत्तीची व्यक्ती असाल. परंपरा आणि कौटुंबिक नियमानुसार धर्माचे पालन कराल. तुम्ही एक भाग्यशाली व्यक्ती असाल. तसेच तुमच्या भाग्यामुळे, शक्तीमुळे तुम्ही इच्छित धन, ऐश्वर्य, वैभव, नाव प्राप्त करण्यात समर्थ रहाल. तीर्थयात्रा करण्याची तुम्हाला आवड असेल. देवाच्या भक्तीवर तुमचा पूर्ण विश्वास राहील.

विभिन्न धार्मिक ग्रंथ वाचण्याची मनःपूर्वक आवड राहील. तसेच ध्यान, योग, तंत्र, मंत्र आणि ज्योतिष इत्यादिवर तुमचा विश्वास राहील आणि काही प्रमाणात ज्ञान प्राप्त करण्याची तुमच्यामध्ये आवड राहील. जर तुम्ही आपल्या दृढ संकल्पनेत वाढ केली तर तुम्ही अंतर्ज्ञाना द्वारे आपण आपले भविष्य जाणण्यात यशस्वी व्हाल.

आपली नित्य पूजा तुम्हास धनऐश्वर्य प्राप्त करवून देईल परंतु कदाचित मानसिक संतुलनाच्या कारणामुळे तुम्हाला कठीण परिस्थितीचा सामना करावा लागेल. तसेच पूजा इत्यादी कार्ये करण्यामध्ये वेळोवेळी अडचणी निर्माण होतील. पहिल्या मुलापासून तुम्हाला सुख आणि प्रसन्नता प्राप्त होईल. जीवनामध्ये शुभ आणि पुण्याचे कार्य करण्यात समर्थ रहाल. व्यावसायिक दृष्टिकोनाने केलेली लांब यात्रा तुम्हास लाभ दायक ठरेल अथवा समाजामध्ये सन्मान प्रदान करील. तुम्ही एक बुद्धिमान आणि विद्वान व्यक्ती असाल. तुमच्या योजना तुम्ही अडथळे न निर्माण करता पूर्ण कराल. तुम्ही धर्मात्मा, सौभाग्याशाली व आदरातिथ्य करणारे असाल. तसेच कोणावर ही उपकार करण्यास समर्थ असाल.

अति उत्कृष्ट स्थान गुरूला कोणते असेल तर नवमस्थान. कोणतेही ग्रह नवमात भाग्याच्या दृष्टीने महत्वाचे असतात. त्यात गुरूच्या कारकत्वाला शोभेल असे हे स्थान आहे. ह्या स्थानात गुरूची बौद्धिक, वैचारिक, अध्यात्मिक बाजू उत्कृष्ट बाळसे घेते. गरिबीतून वर येणाऱ्या व्यक्तींच्या पत्रिकेत ह्या स्थानात गुरू असतो. हा गुरू उच्च शिक्षण देणारा, शिक्षणात कीर्ति देणारा, हुषार बुद्धिमान, संतती देणारा आहे. हा गुरू उत्कृष्ट भाग्योदय करतो. अशा व्यक्तींच्या हातून उत्तम लिखाण होते. धार्मिक ग्रंथाचे तत्त्वज्ञानाचे वाचन व त्यात प्रगति होते. राजकारण, धर्मकारण सर्व दृष्टीने हा गुरू शुभ फल

सौभाग्य, प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षण आणि लांब प्रवास

9



वायु तत्व

असतो. गुरू नेपच्यून हा योग उत्कृष्ट अध्यात्मिक जीवन देतो. गुरूकृपा, उपासना, साक्षात्कार, दैवीशक्ती देणारा योग आहे. प्रथम स्थानातील रवि, चंद्र असता हा योग व्यक्तीला अत्यंत परोपकारी करतो. समाजसेवा होते. नेपच्यून, हर्षल, राहू बरोबर असलेला गुरू परदेशगमन योग, यात्रा करतो. तृतीयेत बुध, शुक्र असे ग्रह असता हा गुरू लेखनात कीर्ति देतो. ह्या स्थानातील गुरू लग्ना नंतर भाग्योदय करतो. जीवनात उत्कृष्ट भरभराटीचा, भाग्योदयाचा काळ असतो.



## वडील, व्यवसाय आणि सामाजिक स्तर

10



जल तत्व

तुमच्या जन्माच्या वेळी दशम स्थानामध्ये कर्क राशी उदित होत होती, जिचा स्वामी चंद्र आहे. ह्याच्या प्रभावाने तुमच्या वडिलांचे शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम राहिले अथवा मानसिक दृष्टीने ते शांत प्रसन्न राहातील. त्यांना यात्रा करण्याची आवड असेल. सामाजिक कार्य करण्यात ते समर्थ राहातील त्यांची प्रवृत्ती भावुकतेची व सहानुभूतीची राहिली. त्यांची स्मरणशक्ति उत्तम राहिली. कोणत्याही विषयाबद्दल व वस्तुबद्दल दीर्घकाळपर्यंत आठवण ठेवण्यात ते समर्थ राहातील.

सरकार व सरकारीकामांपासून तुम्हाला उचित लाभ प्राप्त होईल. तुम्ही सामाजिक क्षेत्रात सहभागी होऊ शकता. कायदा विभागातून तुम्ही लाभ प्राप्त करू शकता. राजनीतीची तुम्हाला आवड असेल. त्यामुळे नेता आणि उच्च अधिकारी वर्गाशी तुमचा संपर्क राहिल. ज्यामुळे तुम्हाला वेळोवेळी उचित लाभ आणि सहयोग प्राप्त होईल. कोर्टकामात यश प्राप्त कराल. मध्य अवस्थेमध्ये तुम्ही उचित लाभ आणि उन्नती प्राप्त करण्यास समर्थ राहाल. जलासंबंधी कार्यामध्ये लाभ होईल. धार्मिक व पुण्यकर्माची कामे वेळोवेळी करत राहाल. दयाळूपणाचा भावही तुमच्यामध्ये असेल आणि शांत-शांत जीवनात आपला अधिक वेळ व्यतीत कराल.

## लाभ, मित्र, समाज, मोठाभाऊ आणि आकांक्षा

11



अग्नि तत्व

तुमच्या जन्माच्या वेळी एकादश भावामध्ये सिंह राशी उदित होत होती, जिचा स्वामी सूर्य आहे. ह्याच्या प्रभावाने तुम्ही एक भाग्यशाली व्यक्ती असाल. आर्थिक रूपाने धन संपन्न प्राप्ती उत्तम राहिल. अशाप्रकारे तुम्ही धन प्राप्त करण्याच्या दृष्टीकोनाने नेहमी उन्नतीच्या मार्गावर अग्रेसर राहाल. तुम्ही महत्वाकांक्षी असाल. मनामध्ये आशाआकांक्षा आणि इच्छेची आवड राहिल. भाग्याच्या बळावर तुम्ही त्यात यशस्वी व्हाल. सरकार, औषध, विज्ञान व वडिलांद्वारे तुमच्या व्यवसायात वाढ होईल. मोठ्या भावांकडून तुम्हाला जीवनात उचित सुख सहयोग लाभ आणि स्नेह प्राप्त होईल व तुम्ही त्यांना वडिलांप्रमाणे मान द्याल.

मित्रांबद्दल तुमच्या मनामध्ये पूर्ण विश्वास राहिल व त्यांच्या दृष्टीने तुम्ही आदरणीय राहाल. तुमचे अधिकतर मित्र शिक्षित, बुद्धिमान आणि चतुर असतील. तुम्ही तुमच्या क्षेत्रामध्ये नाव मिळवाल. तुमचे शारीरिक स्वास्थ्य सामान्यतः चांगले राहिल. परंतु अती गर्मीमुळे त्रास निर्माण होईल. डाव्या कानाच्या दुखण्यामुळे तुम्ही त्रासलेले असाल. काही लोकांच्या चांगल्यासाठी व त्यांना सहयोग देण्यासाठी तुम्ही सर्वदा तत्पर राहाल. सामुहिक कार्य व मनोरंजन करण्याची तुम्हाला आवड राहिल. जीवनामध्ये तुम्ही विशिष्ट सामाजिक कार्य व मान सन्मान प्राप्त करण्यात यशस्वी व्हाल. तुमचे जीवन धन, ऐश्वर्य आणि वैभवाने परीपूर्ण होऊन सुख पूर्वक व्यतीत कराल.

ह्या स्थानातील चंद्र कन्यासंतती जास्त देतो. अशा व्यक्ती स्त्रीसमुहात जास्त वावरत असतात. सुखासक्तपणा देतो. चंद्र संपत्ति देणारा आहे.

हे स्थान आर्थिक लाभाचे आहे. ह्या स्थानात धनकारक शुक्र आर्थिक लाभ चांगले दाखवितो. व्यवसायात उत्कृष्ट प्रकारची धनप्राप्ती होते. चांगल्या पगाराची नोकरी मिळते. जीवनात आर्थिक स्थैर्य देणारा शुक्र आहे. ह्या शुक्रात समाजप्रियता आहे. अशा व्यक्तींचा मित्रपरिवार मोठा असतो. अशा व्यक्तींना मित्राच्या ओळखीमुळे, मोठमोठ्या लोकांच्या ओळखीमुळे फायदा होतो. अशा लोकांना जीवन साथी पासून लाभ होतात. हा शुक्र व्यक्तीला शालीनता देतो. त्यांच्या उत्कृष्ट सुसंस्कृत वागणुकीमुळे, सहृदय मदत करणाऱ्या स्वभावामुळे, आनंदी वृत्तीमुळे हे लोक जातील तेथे आनंद निर्माण करित असतात. हे लोक सर्वांना आवडत असतात. ह्या स्थानात शुक्र असलेल्या व्यक्तींना स्वतःचे घर, वाहन असावे ही

लाभ, मित्र, समाज, मोठाभाऊ आणि आकांक्षा

11



अग्नि तत्व

महत्वाकांक्षा असते. आपला आर्थिक दर्जा वाढविण्यासाठी हे सतत प्रयत्न करीत असतात. उच्च राहणी देणारा व आर्थिक महत्वाकांक्षा पूर्ण करणारा शुक्र आहे. वाहनसौख्य लाभते, पंचम स्थानाच्या दृष्टीने हा शुक्र पोषक असतो. हा संततिसुख देतो. कन्या संतती जास्त असते. पंचमात हर्षल, नेपच्यून, मंगळ वगैरे ग्रह ह्या शुक्राला प्रेमासक्त, कामी बनवितात.

नुकसान, बंधन, कर्ज, निवासस्थान, परिवर्तन आणि मोक्ष

# 12



पृथ्वी तत्व

तुमच्या जन्माच्या वेळी द्वादश भावामध्ये कन्या राशी उदित होत होती, जिचा स्वामी बुध आहे. ह्याच्या प्रभावाने तुम्ही आर्थिक दृष्टीने संपन्न आणि सुदृढ रहाल. तुम्ही भौतिक सुख साधनांनी सुसज्ज रहाल. सुंदर किंमती कपडे घालण्याची तुम्हाला आवड असेल. जीवनामध्ये तुम्हाला एका पेक्षा अधिक साधनांपासून धन प्राप्ति होईल. तुमचे राहणे व खाणे उच्च स्तराचे राहिल. मोठ्या प्रमाणावर धन संपन्न असूनसुद्धा बचत कमी प्रमाणातच राहिल व खर्च अधिक राहिल. अशा प्रकारे तुम्ही धनवान असल्याचे प्रदर्शन सर्व लोकां समोर कराल.

तुमचे कौटुंबिक जीवन सुखी आणि शांतीमय राहिल व तुमचे निवासस्थान ही सुंदर आणि सुखसोयींनी सुसज्ज असेल. त्याची सजावट करायला भरपूर खर्च होईल. नातेवाईक आणि मित्रांबरोबर मोठ्या हॉटेलमध्ये जेवण करण्याची तुमची आवड राहिल. वास्तविकरित्या तुम्ही कलात्मक रूपाने जीवन जगणे पसंत कराल व त्यासाठी अधिक धन खर्च करण्याची आवश्यकता राहिल. सुंदर आणि विलासमय वस्तुंबद्दल तुमच्या मनामध्ये तीव्र आकर्षण राहिल. परंतु त्यासाठी तुमचा कितीही पैसा खर्च होऊ दे ती गोष्ट तुम्ही अवश्य प्राप्त कराल. शेवटी तुमच्या वैभव व यशाने तुमचे शत्रू त्यात अडथळे निर्माण करण्यास प्रयत्न करतील. त्यामुळे कधी कधी तुम्ही मानसिक त्रास होईल

यात्रा करण्याची तुम्हाला आवड असेल. त्यामुळे तुम्हाला उचित लाभ आणि सन्मान प्राप्त होईल. त्यात तुमचा वेळ अधिक जाईल. विदेशात अनेक वेळा प्रवास कराल.

प्रतिकूल परिस्थिति देतो व मानभंग करतो. शनिबरोबर असता सामाजिक संकटे आणतो. काही वेळा बंधनयोग येतो. हा रवि पापग्रहाबरोबर असता नेत्रपीडा देतो. आर्थिक हानि मोठ्या प्रमाणात होते. शारीरिक पीडा, व्यंग येते.

व्ययस्थानात पापग्रहाबरोबर असलेला बुध व्यक्तीला खोटे बोलण्याची सवय असू शकते. ह्या स्थानात बुध असता जामीन राहिल्याने आर्थिक हानी होते. ह्या स्थानातील बुध व्यक्तीला गूढ रहस्यमय गोष्टींची व प्रवासाची आवड देतो.

साडेसाती विचार

गोचर शनि जेव्हां कुंडलीतील चंद्राला बारावा, पहिला व दुसरा येईल तेव्हां साडेसाती सुरू होते. कुंडलीतील चंद्राला गोचर चवथा व आठवा आला असता दैव्या म्हणजे अडचनी सुरू होते. साडेसाती चा काळ सामान्यपणे शारीरिक, मानसिक व आर्थिक त्रासाचा जातो तर काहीवेळा आश्चर्यचकित प्रगतिही या काळात होते.

सामान्यपणे मनुष्याच्या जीवनात साडेसाती तीन वेळा येते - पहिल्यांदा बालपणी, दुसऱ्यांदा तरुणपणी व तिसऱ्यांदा म्हातारपणी. पहिल्या साडेसाती चा प्रभाव शिक्षण व आई वडिलांवर पडतो. दुसऱ्या साडेसाती चा प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिती व कुटुंबावर पडतो. तिसऱ्या साडेसाती चा प्रभाव शारीरिक आरोग्यावर पडतो.

पनोती	शनि भाव	प्रवेश	निकास	पाया
साडेसाती	कर्क	06/09/2004	13/01/2005	तांब
साडेसाती	कर्क	26/05/2005	01/11/2006	चांदी
साडेसाती	सिंह	01/11/2006	10/01/2007	तांब
साडेसाती	कर्क	10/01/2007	16/07/2007	चांदी
साडेसाती	सिंह	16/07/2007	10/09/2009	लोखंड
साडेसाती	कन्या	10/09/2009	15/11/2011	चांदी
साडेसाती	कन्या	16/05/2012	04/08/2012	लोखंड
लहान पनोती	वृश्चिक	02/11/2014	26/01/2017	तांब
लहान पनोती	वृश्चिक	21/06/2017	26/10/2017	चांदी
लहान पनोती	मीन	29/03/2025	03/06/2027	लोखंड
लहान पनोती	मीन	20/10/2027	23/02/2028	तांब
साडेसाती	कर्क	13/07/2034	27/08/2036	तांब
साडेसाती	सिंह	27/08/2036	22/10/2038	तांब
साडेसाती	कन्या	22/10/2038	05/04/2039	लोखंड
साडेसाती	सिंह	05/04/2039	13/07/2039	सोन
साडेसाती	कन्या	13/07/2039	28/01/2041	लोखंड
साडेसाती	कन्या	06/02/2041	26/09/2041	चांदी
लहान पनोती	वृश्चिक	11/12/2043	23/06/2044	लोखंड
लहान पनोती	वृश्चिक	30/08/2044	07/12/2046	लोखंड
लहान पनोती	मीन	14/05/2054	02/09/2054	लोखंड
लहान पनोती	मीन	05/02/2055	07/04/2057	चांदी
साडेसाती	कर्क	24/08/2063	06/02/2064	सोन
साडेसाती	कर्क	09/05/2064	13/10/2065	तांब
साडेसाती	सिंह	13/10/2065	03/02/2066	लोखंड
साडेसाती	कर्क	03/02/2066	03/07/2066	तांब
साडेसाती	सिंह	03/07/2066	30/08/2068	तांब
साडेसाती	कन्या	30/08/2068	04/11/2070	चांदी
लहान पनोती	वृश्चिक	05/02/2073	31/03/2073	सोन
लहान पनोती	वृश्चिक	23/10/2073	16/01/2076	सोन
लहान पनोती	वृश्चिक	11/07/2076	11/10/2076	तांब
लहान पनोती	मीन	20/03/2084	21/05/2086	सोन
लहान पनोती	मीन	10/11/2086	08/02/2087	चांदी
साडेसाती	कर्क	02/07/2093	18/08/2095	चांदी
साडेसाती	सिंह	18/08/2095	18/08/2095	लोखंड
साडेसाती	सिंह	18/08/2095	11/10/2097	लोखंड
साडेसाती	कन्या	11/10/2097	02/05/2098	चांदी
साडेसाती	सिंह	02/05/2098	20/06/2098	तांब
साडेसाती	कन्या	20/06/2098	26/12/2099	तांब
साडेसाती	कन्या	17/03/2100	16/09/2100	तांब
लहान पनोती	वृश्चिक	03/12/2102	29/11/2105	सोन
लहान पनोती	मीन	02/05/2113	22/09/2113	लोखंड
लहान पनोती	मीन	25/01/2114	29/03/2116	चांदी